Shekhawati handicraft fair 2026 (Urban Haat, Sikar).

State Minister of Urban Development and Housing (UDH) Jhabar Singh Kharra opened the Shekhawati Handicraft Fair 2026 on 17 January 2026 at Urban Haat, Sikar. The minister led a ceremony of worship, ripped the ribbon and launched white balloons to announce the opening. The fair, which is organised by the District Industries and Commerce Centre and the District Administration, Sikar, is meant to encourage local crafts, cottage industries and self-employment. As part of the visit, the minister toured Panch Gaurav exhibition, handicraft products, and stalls operated by the women of the Rajeevika self-help group (SHG), and gathered in-depth information on products and corresponding schemes.

Key Highlights of the Event

- Urban Haat, Sikar 17 January 2026.
- The fair was officially opened by Jhabar Singh Kharra (UDH State Minister) through puja, ribbon-cutting and balloon release.

The minister came and checked:

- Panch Gaurav exhibition
- Handicraft products
- Stalls and linkages between Rajeevika SHG females and their scheme.
- The need to switch to Swadeshi goods to help Aatmanirbhar Bharat.

- Pressure on increased self-employment using cottage industries and startups, and the national objective of being developed and self-sufficient in 2047.

Panch Gaurav Exhibition: District Identity Focus.

The fair also has a Panch Gaurav exhibition, to popularize the knowledge about the Sikar district, which has five major prides that are referred to as Panch Gaurav: as described by Dr. Anil Sharma (In-charge, Panch Gaurav Yojana):

- One District one Product (ODOP): Wooden furniture.
- Sport: Basketball
- Produce: Onion
- Tourism Site: Khatu Shyamji
- Plant/Vegetation: Aradu

Stands and Goods on Exhibit.

Vikas Sihag (General Manager, District Industry Centre) says the fair has 100+ stalls with:

- Kashmiri woollens
- Handloom textiles
- Mojaris
- Readymade garments
- Imitation jewellery
- Handicraft furniture
- Lac and terracotta products
- Handmade food products

Governance and Administrative Presence Interconnection.

District Collector Mukul Sharma attended the programme, as well as public representatives, officials and citizens- emphasizing the administrative support of the local development of enterprises and access of artisans to the market.

Why This Matters for RAS Exam

- Encourages MSME/cottage industry, crafts personages and local job creation.
- Empowers SHGs (Rajeevika) which are run by women by connecting with the market and promoting products.
- Relates economic development to ODOP and branding on the district level (Panch Gaurav).
- The objectives of links like Swadeshi adoption, startups and 2047 vision are being controlled through implementation on the local level.

RASonly

Conclusion

The Shekhawati Handicraft Fair 2026 in Urban Haat, Sikar is an example of how traditional crafts, women SHG business, and other local items can be promoted by the district administration and institutions of the industry in an organised market. The fair aims at supporting self-employment, enhancing the rural-urban market linkage, and putting the local economic activity in line with the larger objectives of self-reliance and growth by the year 2047 by integrating Panch Gaurav-based branding of the districts, and extensive participation of the products.

MCQs (English)

MCQ 1: Where was Shekhawati Handicraft Fair 2026 launched?

a) Jawahar Kala Kendra, Jaipur

b) Urban Haat, Sikar

c) Town Hall, Jhunjhunu

d) Shilpgram, Udaipur

Answer: b

Explanation: It is explained in the event note that the Shekhawati Handicraft Fair 2026 started at Urban Haat in Sikar where the injection ceremony was performed and stalls were inspected.

MCQ 2: What was the action(s) of UDH State Minister Jhabar Singh Kharra on the occasion of the inauguration?

a) Introduced new portal of industrial subsidy.

b) White balloons set free at the end of ribbon cutting ceremony and worship.

c) Conducted a basketball tournament in Panch Gaurav.

d) declared new ODOP product to Sikar.

Answer: b

Description: Puja (worship) and cutting of ribbons and releasing of white balloons also featured in the official opening and were explicitly referred to by the minister.

MCQ 3: Which mix of the five prides displayed at the fair on the Panch Gaurav exhibition is right?

a) Marble–Cricket–Wheat–Ranthambore–Khejri

b) Furniture-Basketball-Onions-Khatu Shyamji-Aradu.

RASonly

c) Mojari-Hockey-Bajra-Ajmer Sharif-Babul.

d) Terracotta-Football-Mustard-Amer Fort- Neem.

Answer: b

Description: Panch Gaurav show during the fair would consist of ODOP (wooden furniture), sport (basketball), produce (onion), tourism site (Khatu Shyamji) and plant (Aradu), according to the concerned official.

शेखावाटी हस्तशिल्प मेला 2026 (अर्बन हाट, सीकर)।

नगरीय विकास एवं आवासन (UDH) के राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने 17 जनवरी 2026 को अर्बन हाट, सीकर में शेखावाटी हस्तशिल्प मेला 2026 का उद्घाटन किया। मंत्री ने पूजा-अर्चना की, फीता काटा और उद्घाटन की घोषणा के लिए सफेद गुब्बारे छोड़े। यह मेला जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र तथा जिला प्रशासन, सीकर द्वारा आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य स्थानीय शिल्प, कुटीर उद्योग और स्वरोजगार को प्रोत्साहित करना है। दौरे के दौरान मंत्री ने पंच गौरव प्रदर्शनी, हस्तशिल्प उत्पादों तथा राजीविका स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाओं द्वारा संचालित स्टॉल्स का निरीक्षण किया और उत्पादों तथा संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली।

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएँ

- स्थान और तिथि: अर्बन हाट, सीकर — 17 जनवरी 2026।
- मेले का औपचारिक उद्घाटन UDH राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा द्वारा पूजा, फीता-काटने और गुब्बारे छोड़ने के साथ किया गया।
- मंत्री ने आकर इनका निरीक्षण किया:
    - पंच गौरव प्रदर्शनी
    - हस्तशिल्प उत्पाद
    - राजीविका SHG महिलाओं के स्टॉल्स और योजनाओं से उनके जुड़ाव/लिंकेंज
- आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी उत्पाद अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।
- कुटीर उद्योगों और स्टार्टअप्स के माध्यम से बढ़ते स्वरोजगार तथा 2047 तक देश को विकसित व आत्मनिर्भर बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य पर बल दिया गया।

पंच गौरव प्रदर्शनी: जिले की पहचान पर फोकस

मेले में पंच गौरव प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जिसका उद्देश्य सीकर जिले के पाँच प्रमुख गौरवों के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाना है। पंच गौरव योजना के प्रभारी डॉ. अनिल शर्मा के अनुसार, ये पाँच गौरव हैं:

- एक जिला एक उत्पाद (ODOP): लकड़ी का फर्नीचर

RASONLY

- खेल: बास्केटबॉल
- उपज: प्याज
- पर्यटन स्थल: खाटू श्यामजी
- वनस्पति/पौधा: अरडू

स्टॉल्स और प्रदर्शित उत्पाद

जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक विकास सिहाग के अनुसार, मेले में 100 से अधिक स्टॉल्स लगाए गए हैं, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं:

- कश्मीरी ऊनी वस्त्र
- हैंडलूम वस्त्र
- मोजड़ियाँ
- रेडीमेड परिधान
- इमीटेशन ज्वैलरी
- हस्तशिल्प फर्नीचर
- लाख एवं टेराकोटा उत्पाद
- हस्तनिर्मित खाद्य उत्पाद

शासन-प्रशासन की उपस्थिति और जुड़ाव

जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक कार्यक्रम में उपस्थित रहे, जिससे स्थानीय उद्यम विकास तथा कारीगरों के बाजार तक पहुँच के लिए प्रशासनिक समर्थन का संकेत मिलता है।

RAS परीक्षा के लिए महत्व

- MSME/कुटीर उद्योग, कारीगरों की आजीविका और स्थानीय रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलता है।
- महिलाओं द्वारा संचालित राजीविका SHG को बाजार से जोड़कर और उत्पादों को बढ़ावा देकर सशक्तिकरण होता है।
- आर्थिक विकास को ODOP और जिला-स्तरीय ब्रांडिंग (पंच गौरव) से जोड़ा जाता है।
- स्वदेशी अपनाने, स्टार्टअप्स और 2047 विजन जैसे लक्ष्यों का स्थानीय स्तर पर क्रियान्वयन दिखता है।

निष्कर्ष

अर्बन हाट, सीकर में आयोजित शेखावाटी हस्तशिल्प मेला 2026 यह दर्शाता है कि जिला प्रशासन और उद्योग संस्थान संगठित बाजार मंच के जरिए पारंपरिक शिल्प, महिला SHG उद्यम और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दे सकते हैं। पंच गौरव आधारित जिला ब्रांडिंग और उत्पादों की व्यापक

RASonly

भागीदारी के साथ यह मेला स्वरोजगार को समर्थन, ग्रामीण-शहरी बाजार संबंधों को मजबूती और 2047 तक आत्मनिर्भरता व विकास के बड़े लक्ष्यों के अनुरूप स्थानीय आर्थिक गतिविधि को जोड़ने का प्रयास करता है।

MCQs (केवल हिन्दी)

MCQ 1
शेखावाटी हस्तशिल्प मेला 2026 कहाँ शुरू किया गया?
a) जवाहर कला केंद्र, जयपुर
b) अर्बन हाट, सीकर
c) टाउन हॉल, झुंझुनूं
d) शिल्पग्राम, उदयपुर
उत्तर: b
व्याख्या: कार्यक्रम विवरण के अनुसार शेखावाटी हस्तशिल्प मेला 2026 अर्बन हाट, सीकर में शुरू हुआ, जहाँ उद्घाटन समारोह हुआ और स्टॉल्स का निरीक्षण किया गया।

MCQ 2
उद्घाटन के अवसर पर UDH राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा की कौन-सी कार्रवाई/क्रियाएँ थीं?
a) औद्योगिक सब्सिडी का नया पोर्टल शुरू किया
b) पूजा और फीता-काटने के बाद सफेद गुब्बारे छोड़े
c) पंच गौरव के अंतर्गत बास्केटबॉल टूर्नामेंट कराया
d) सीकर के लिए नया ODOP उत्पाद घोषित किया
उत्तर: b
व्याख्या: औपचारिक उद्घाटन में पूजा-अर्चना, फीता काटना और सफेद गुब्बारे छोड़ना शामिल था, जिसका स्पष्ट उल्लेख मंत्री द्वारा किए गए उद्घाटन कार्यक्रम में किया गया है।

MCQ 3
पंच गौरव प्रदर्शनी में प्रदर्शित पाँच गौरवों का सही संयोजन कौन-सा है?
a) संगमरमर–क्रिकेट–गेहूँ–रणथंभौर–खेजड़ी
b) फर्नीचर–बास्केटबॉल–प्याज–खाटू श्यामजी–अरडू
c) मोजड़ी–हॉकी–बाजरा–अजमेर शरीफ–बबूल
d) टेराकोटा–फुटबॉल–सरसों–आमेर किला–नीम
उत्तर: b
व्याख्या: संबंधित अधिकारी के अनुसार पंच गौरव प्रदर्शनी में ODOP (लकड़ी का फर्नीचर), खेल (बास्केटबॉल), उपज (प्याज), पर्यटन स्थल (खाटू श्यामजी) और वनस्पति (अरडू) शामिल हैं।

RASonly

Ram Jalsetu Link Project (Modified Parvati-Kalisindh-Chambal Link) Chambal Aqueduct Progress.

The Ram Jalsetu Link Project (now the Parvati-Kalisindh-Chambal Link Project) is a mission mode project that is underway as part of the water-security push in Rajasthan. Under Phase-1, see Package-2, an approximate 2.3 km (2280 m) aqueduct of the Chambal River, is under construction, with a quoted cost of 2,230-2,330 crore in the project note. Construction commenced in May 2025 and the aqueduct is also scheduled to be finished in June 2028. It will connect Peepalda Samel (Digod tehsil, Kota) with Gohata (Indargarh tehsil, Bundi) and serve to relocate water to major reservoirs and help in serving drinking water, irrigation, and industry.

Key Features

- Length of the aqueduct: approximately 2.3km (also 2280 m).
- Suggested internal size: 41.25 m and 7.7 m wide and high respectively.

- Connection: one terminus is the village of Peepalda Samel (Digod, Kota) and the other one is the village of Gohata (Indargarh, Bundi).

Water movement pathway:

- Water pumped out of Navnera Barrage (in Kalisindh) into Mej River.
- Water flows through Mej Barrage pump house to feeder and Galwa Dam.
- Then fed on to Bisalpur Dam and Isarda Dam.
- Other positive contribution to society: the aqueduct path will likely offer an added avenue of social movement.

Current (reported) construction development:

- Camp and batching plant: -90% work done.
- Test piles: 15 proposed test piles; 8 completed test piles.
- Proposals made: 5060 working; approximately 860 working.
- Piling rate per day: 15 20 piles in a day on 12 rig machines.
- Concrete work: Approx:500 cubic metres/day, and the work is ongoing in several shifts.

Objectives and Benefits

Objectives

- Develop water security infrastructure in the long-term on the Ram Jalsetu Link Project system.
- Facilitate planned movement and supply of water to major storage points to be used as drinking water, irrigation water as well as industrial water.
- Enhance inter-state coordination of a linked project by signing formal agreements and implementing them.

Benefits

- The larger project is mentioned to be of approximately 90, 000 crore value and in Phase-1, the project is supposed to supply drinking water to approximately 3.25 crore people in 17 districts as well as water to irrigate and support industries.
- Helps in the broader economic and social development by enhancing water availability.
- Demonstrates inter-governmental coordination: MoU in January 2024 (Rajasthan- Madhya Pradesh- Government of India Link 2 / amended PKC), exchange of MoAs on 17 December 2024 in Jaipur in the presence of the Prime Minister.

RASonly

Conclusion

The Chambal aqueduct is one of the engineering know-hows in the Ram Jalsetu Link Project being positioned as a big step towards water self-reliance in the state of Rajasthan. The project is concentrating on the organized water flow to major dams and the supply of the wider area and is in progress since May 2025 with an approximate completion date of June 2028. Construction progress reported is a sign of continued on-ground performance.

MCQs (English)

MCQ 1: The Chambal aqueduct as per the Ram Jalsetu Link Project is to be completed by:

a) June 2026

b) June 2027

c) June 2028

d) June 2029

Answer: c

Explanation: The project report says that the construction started in May 2025 and the Chambal aqueduct section should be completed as of June 2028.

MCQ 2: What are the two places that the Chambal aqueduct would link according to the project specifications?

a) Galwa Dam to Bisalpur Dam

b) Peepalda Samel (Digod, Kota) to Gohata (Indargarh, Bundi).

c) Navnera Barrage to Mej Barrage.

d) Khatu Shyamji to Isarda Dam

Answer: b

Description: The aqueduct is stated to connect the village of Peepalda Samel, Digod tehsil (Kota) in one end and Gohata village, Indargarh tehsil (Bundi) in the other end.

MCQ 3: What is the given series of water movement as per project pathway after picking water at Navnera Barrage?

a) Navneri, Galwani, Mejani, Bisalpuri, Isardani.

b) Navnera-Mej River-Mej Barrage- Galwa Dam- Bisalpur/Isarda.

RASonly

c) Navnera -Chambal-Bisalpur-Galwa-Isarda.

d) Navnera -Isarda -Bisalpur-Mej Barrage-Galwa

Answer: b

Explanation:Water is brought up out of Navnera Barrage to Mej River, out of Mej Barrage by a pump house and feeder to Galwa Dam then to Bisalpur and Isarda dams.

राम जलसेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती–कालीसिंध–चम्बल लिंक) — चम्बल एक्वाडक्ट प्रगति।

राम जलसेतु लिंक परियोजना (अब संशोधित पार्वती–कालीसिंध–चम्बल लिंक परियोजना) राजस्थान में जल-सुरक्षा को मजबूती देने हेतु मिशन मोड पर आगे बढ़ रही है। चरण-1 के पैकेज-2 के तहत चम्बल नदी पर लगभग 2.3 किमी (2280 मीटर) लंबा एक्वाडक्ट बनाया जा रहा है, जिसकी लागत परियोजना विवरण के अनुसार 2,230–2,330 करोड़ रुपये बताई गई है। निर्माण कार्य मई 2025 में शुरू हुआ और इसे जून 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है। यह पीपलदा समेल (दीगोद तहसील, कोटा) को गोहाटा (इंद्रगढ़ तहसील, बूंदी) से जोड़ेगा तथा प्रमुख जलाशयों तक जल पहुंचाने, पेयजल, सिंचाई और उद्योगों की जरूरतों में सहायता करेगा।

प्रमुख विशेषताएँ

- एक्वाडक्ट की लंबाई: लगभग 2.3 किमी (2280 मीटर भी उल्लेखित)।
- प्रस्तावित आंतरिक आयाम: चौड़ाई 41.25 मीटर और ऊंचाई 7.7 मीटर।
- कनेक्टिविटी: एक छोर पीपलदा समेल गांव (दीगोद, कोटा) और दूसरा छोर गोहाटा गांव (इंद्रगढ़, बूंदी)।
- जल प्रवाह/आवागमन मार्ग:
    - नवनेरा बैराज (कालीसिंध पर) से पानी पम्प कर मेज नदी में छोड़ा जाएगा।
    - मेज बैराज से पम्प हाउस के माध्यम से फीडर द्वारा पानी गलवा बांध तक पहुंचेगा।
    - इसके बाद पानी बीसलपुर बांध और ईसरदा बांध तक पहुंचाया जाएगा।
- समाज के लिए अतिरिक्त लाभ: एक्वाडक्ट मार्ग से आवागमन के लिए एक अतिरिक्त रास्ता उपलब्ध होने की संभावना बताई गई है।
- वर्तमान (रिपोर्टेड) निर्माण प्रगति:
    - कैंप और बैचिंग प्लांट: लगभग 90% कार्य पूर्ण।
    - टेस्ट पाइल: 15 प्रस्तावित; 8 पूर्ण।

RASonly

- वर्किंग पाइल: कुल 5060 प्रस्तावित; लगभग 860 पूर्ण।
- दैनिक पाइलिंग दर: 12 रिग मशीनों से प्रतिदिन 15–20 पाइल।
- कंक्रीट कार्य: लगभग 500 क्यूबिक मीटर/दिन; कई शिफ्टों में कार्य जारी।

उद्देश्य और लाभ

उद्देश्य

- राम जलसेतु लिंक परियोजना ढांचे के तहत दीर्घकालिक जल-सुरक्षा अवसंरचना विकसित करना।
- प्रमुख भंडारण बिंदुओं तक जल की योजनाबद्ध आपूर्ति और हस्तांतरण सुनिश्चित करना ताकि पेयजल, सिंचाई तथा औद्योगिक जल आवश्यकता पूरी हो सके।
- औपचारिक समझौतों के माध्यम से अंतर-राज्यीय समन्वय को मजबूत कर क्रियान्वयन में गति लाना।

लाभ

- व्यापक परियोजना का आकार लगभग 90,000 करोड़ रुपये बताया गया है और चरण-1 में 17 जिलों की लगभग 3.25 करोड़ आबादी को पेयजल सुविधा देने के साथ सिंचाई और उद्योगों के लिए भी जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।
- जल उपलब्धता बढ़ने से आर्थिक और सामाजिक विकास को समर्थन मिलेगा।
- अंतर-सरकारी समन्वय का उदाहरण: जनवरी 2024 में MoU (राजस्थान–मध्यप्रदेश–भारत सरकार/संशोधित PKC), तथा 17 दिसंबर 2024 को जयपुर में प्रधानमंत्री की उपस्थिति में MoA का आदान-प्रदान।

निष्कर्ष

चम्बल एक्वाडक्ट राम जलसेतु लिंक परियोजना का एक प्रमुख इंजीनियरिंग घटक है, जिसे राजस्थान में जल आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़े कदम के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। मई 2025 से कार्य प्रगति पर है और जून 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है। प्रमुख बांधों तक संगठित जल प्रवाह और व्यापक आपूर्ति व्यवस्था पर फोकस के साथ रिपोर्टेड प्रगति निरंतर जमीनी क्रियान्वयन का संकेत देती है।

MCQs (हिन्दी)

MCQ 1

राम जलसेतु लिंक परियोजना के अंतर्गत चम्बल एक्वाडक्ट को किस समय तक पूरा करने का लक्ष्य है?

a) जून 2026
b) जून 2027
c) जून 2028
d) जून 2029

RASonly

उत्तर: c
व्याख्या: परियोजना विवरण के अनुसार निर्माण कार्य मई 2025 में शुरू हुआ और चम्बल एक्वाडक्ट खंड को जून 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित है।

MCQ 2
परियोजना विनिर्देशों के अनुसार चम्बल एक्वाडक्ट किन दो स्थानों को जोड़ेगा?
a) गलवा बांध से बीसलपुर बांध
b) पीपलदा समेल (दीगोद, कोटा) से गोहाटा (इंद्रगढ़, बूंदी)
c) नवनेरा बैराज से मेज बैराज
d) खाटू श्यामजी से ईसरदा बांध
उत्तर: b
व्याख्या: विवरण में स्पष्ट है कि एक्वाडक्ट का एक छोर पीपलदा समेल गांव (दीगोद तहसील, कोटा) और दूसरा छोर गोहाटा गांव (इंद्रगढ़ तहसील, बूंदी) पर होगा।

MCQ 3
नवनेरा बैराज से पानी उठाने के बाद परियोजना मार्ग के अनुसार जल प्रवाह का सही क्रम क्या है?
a) नवनेरी–गलवानी–मेजानी–बीसलपुरी–ईसरदानी
b) नवनेरा–मेज नदी–मेज बैराज–गलवा बांध–बीसलपुर/ईसरदा
c) नवनेरा–चम्बल–बीसलपुर–गलवा–ईसरदा
d) नवनेरा–ईसरदा–बीसलपुर–मेज बैराज–गलवा
उत्तर: b
व्याख्या: परियोजना मार्ग के अनुसार नवनेरा बैराज से पानी पम्प कर मेज नदी में छोड़ा जाएगा, फिर मेज बैराज से पम्प हाउस व फीडर द्वारा गलवा बांध तक और वहां से बीसलपुर तथा ईसरदा बांध तक पहुंचाया जाएगा।

RASonly

Chief Minister Yuva Swarojgar Yojana -Guidelines of industries and commerce department.

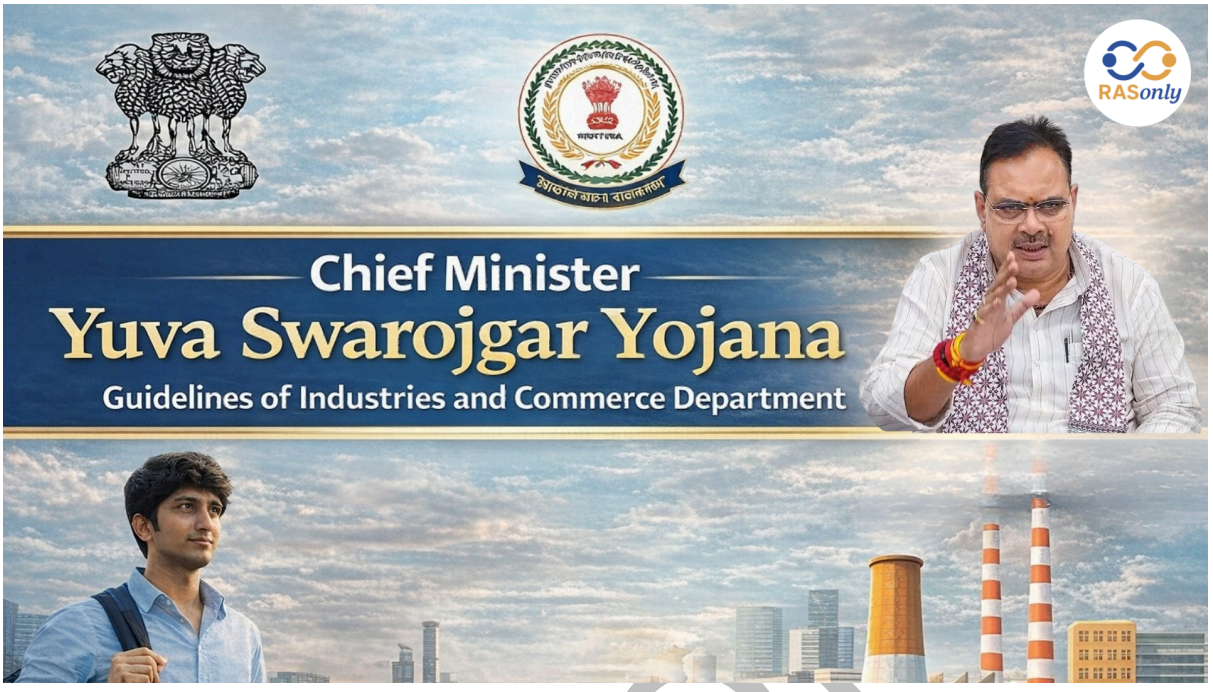

Chief Minister Bhajanlal Sharma introduced the Rajasthan Chief Minister Yuva Swarojgar Yojana on 12 January 2026 at the closing of a state-level Youth Festival. The scheme specification is already published by the Industries and Commerce Department after the launch and the application process will also start shortly. It is expected that the scheme will help generate 1 lakh youth entrepreneurs through the creation of interest-free loans and other financial assistance to the micro enterprises in the manufacturing, services and trade sectors (Industries and Commerce Minister Colonel Rajyavardhan Rathore).

Key Provisions of the Scheme

- Goal: 1 lakh youth entrepreneurs in Rajasthan.
- Loan support: Interest free loan of up to 10 lakh to be used in the formation of micro enterprises in manufacturing sector, services and trade.
- Interest reimbursement: The scheme will reimburse 100 percent of the interest charged by the state government.
- Margin money facility: Facility of margin money up to 50,000.
- Reimbursement CGTMSE fee: Provision of reimbursement of CGTMSE fee (Credit Guarantee Fund Trust for Micro and Small Enterprises fee).

Loan beneficences depending on education and industry.

- The applicants that are not below Class 8 to Class 12.
- Services and Trade: This will be interest free loan up to 3.5 lakh.
- Manufacturing: Interest free loan of up to 7.5 lakh.
- Margin money: Up to ₹35,000

Graduation / ITI / Higher Applicants.

- Services & Trade: Free loan up to 5 lakh.
- Manufacturing: Interest-free loan of 10 lakh and below.
- Margin money: Up to ₹50,000

Why This Matters for RAS Exam

- Targets youth entrepreneurship, promotion of micro enterprises and creation of employment.
- Indicates state assistance in the form of interest reimbursement, margin money and credit guarantee fee reimbursement.
- Relates the economic policy to self-employment as a job creation strategy, emphasized by the minister as one of the ways to create jobs to lakhs of youth in the long run.

Conclusion

The Chief Minister Yuva Swarojgar Yojana positions youth entrepreneurship as a key employment strategy in Rajasthan by enabling micro-enterprises in manufacturing, services, and trade through interest-free loans, full interest reimbursement, margin money support, and CGTMSE fee reimbursement. By targeting one lakh youth entrepreneurs and linking benefits to educational qualification, the scheme aims to widen access to formal credit, reduce entry barriers for new businesses, and create broader job opportunities over time.

MCQs (English)

MCQ 1: In what department were the guidelines issued regarding the Chief Minister Yuva Swarojgar Yojana?

a) Education Department

b) Department of Industries and Commerce.

c) Finance Department

d) Rural Development Department.

Answer: b

RASonly

Explanation: The news reports that the guidelines have been issued by the Industries and Commerce Department after the launch of the scheme and the process of application will begin in the near future.

MCQ 2: What is the maximum number of interest-free loans that qualified applicants in the manufacturing industry can get with graduation/ITI or even higher qualification under the scheme?

a) ₹7.5 lakh

b) ₹10 lakh

c) ₹5 lakh

d) ₹3.5 lakh

Answer: b

Explanation: To the graduates, ITI and higher qualified applicants, the scheme entitles an interest free loan of up to 10 lakh in manufacturing sector.

MCQ 3: Which benefit is specifically cited as among the financial support benefits of the scheme?

a) Allotment of free industrial land.

b) full interest refunds by the state government.

c) Subsidy of new business on export.

d) Five year income tax exemption.

Answer: b

Elaboration: The scheme mentions that the state government will compensate all the interest, as well as such provisions as supporting the margin money and reimbursement of CGTMSE fee.

RASonly

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना — उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की गाइडलाइन।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 12 जनवरी 2026 को राज्य-स्तरीय युवा महोत्सव के समापन समारोह में राजस्थान की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का शुभारंभ किया। योजना के शुभारंभ के बाद उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने इसकी गाइडलाइन जारी कर दी है और आवेदन प्रक्रिया शीघ्र शुरू होगी। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के अनुसार, यह योजना विनिर्माण, सेवा एवं व्यापार क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों को ब्याज-मुक्त ऋण तथा अन्य वित्तीय सहायता देकर 1 लाख युवाओं को उद्यमी बनाने में मदद करेगी।

योजना के प्रमुख प्रावधान

- लक्ष्य: राजस्थान में 1 लाख युवा उद्यमी तैयार करना।
- ऋण सहायता: विनिर्माण, सेवा एवं व्यापार क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने हेतु 10 लाख रुपये तक ब्याज-मुक्त ऋण।
- ब्याज पुनर्भरण: योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा 100 प्रतिशत ब्याज का पुनर्भरण किया जाएगा।
- मार्जिन मनी सुविधा: 50,000 रुपये तक मार्जिन मनी का प्रावधान।
- CGTMSE शुल्क पुनर्भरण: CGTMSE शुल्क (सूक्ष्म और लघु उद्यम क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट शुल्क) के पुनर्भरण का प्रावधान।

शिक्षा और क्षेत्र के अनुसार ऋण लाभ

कक्षा 8 से कक्षा 12 उत्तीर्ण आवेदक

- सेवा एवं व्यापार: 3.5 लाख रुपये तक ब्याज-मुक्त ऋण।
- विनिर्माण: 7.5 लाख रुपये तक ब्याज-मुक्त ऋण।
- मार्जिन मनी: 35,000 रुपये तक।

स्नातक / ITI / उच्च शैक्षणिक योग्यता वाले आवेदक

- सेवा एवं व्यापार: 5 लाख रुपये तक ब्याज-मुक्त ऋण।
- विनिर्माण: 10 लाख रुपये तक ब्याज-मुक्त ऋण।
- मार्जिन मनी: 50,000 रुपये तक।

RAS परीक्षा के लिए महत्व

- युवा उद्यमिता, सूक्ष्म उद्यम प्रोत्साहन और रोजगार सृजन पर केंद्रित योजना।
- ब्याज पुनर्भरण, मार्जिन मनी और क्रेडिट गारंटी शुल्क पुनर्भरण के माध्यम से राज्य सहायता का स्पष्ट संकेत।
- आर्थिक नीति को स्वरोजगार आधारित रोजगार सृजन रणनीति से जोड़ती है, जिसे मंत्री ने लंबे समय में लाखों युवाओं के लिए रोजगार अवसर बढ़ाने का माध्यम बताया है।

निष्कर्ष

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना राजस्थान में युवाओं के लिए उद्यमिता को रोजगार सृजन की प्रमुख रणनीति के रूप में स्थापित करती है। विनिर्माण, सेवा और व्यापार क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा देने हेतु ब्याज मुक्त ऋण, शत-प्रतिशत ब्याज पुनर्भरण, मार्जिन मनी सहायता और CGTMSE शुल्क के पुनर्भरण जैसी सुविधाएँ देकर यह योजना नए व्यवसाय शुरू करने की बाधाएँ कम करती है। एक लाख युवा उद्यमी बनाने के लक्ष्य और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार लाभ निर्धारण के माध्यम से यह पहल औपचारिक ऋण तक पहुँच बढ़ाने, उद्यम शुरू करने की क्षमता मजबूत करने और समय के साथ व्यापक रोजगार अवसर सृजित करने की दिशा में काम करती है।

RASonly

MCQs (हिन्दी)

MCQ 1

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से संबंधित गाइडलाइन किस विभाग द्वारा जारी की गई?

a) शिक्षा विभाग

b) उद्योग एवं वाणिज्य विभाग

c) वित्त विभाग

d) ग्रामीण विकास विभाग

उत्तर: b

व्याख्या: समाचार के अनुसार योजना के शुभारंभ के बाद इसकी गाइडलाइन उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा जारी की गई है और आवेदन प्रक्रिया शीघ्र शुरू होगी।

MCQ 2

स्नातक/ITI/उच्च शैक्षणिक योग्यता वाले आवेदकों के लिए विनिर्माण क्षेत्र में अधिकतम कितना ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध है?

a) ₹7.5 लाख

b) ₹10 लाख

c) ₹5 लाख

d) ₹3.5 लाख

उत्तर: b

व्याख्या: स्नातक, ITI और उच्च योग्यता वाले आवेदकों को विनिर्माण क्षेत्र के लिए अधिकतम ₹10 लाख तक ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराने का प्रावधान है।

MCQ 3

योजना के वित्तीय सहायता प्रावधानों में निम्न में से कौन-सा लाभ विशेष रूप से शामिल है?

a) नि:शुल्क औद्योगिक भूमि आवंटन

b) राज्य सरकार द्वारा 100% ब्याज पुनर्भरण

c) नए उद्यमों के लिए निर्यात सब्सिडी

d) पाँच वर्ष का आयकर छूट

उत्तर: b

व्याख्या: योजना में राज्य सरकार द्वारा 100% ब्याज पुनर्भरण का प्रावधान बताया गया है, साथ ही मार्जिन मनी सहायता और CGTMSE शुल्क पुनर्भरण जैसी सुविधाएँ भी शामिल हैं।

RASonly

Guava festival and agricultural technology fair 2026 in sawai madhopur processing plant announcement.

On the Dussehra Ground, Sawai Madhopur, Lok Sabha Speaker Om Birla and Agriculture and Horticulture Minister Dr. Kirodi Lal Meena inaugurated the Guava Festival and Agricultural Technology Fair 2026. It is being positioned as the first Guava Festival in India so as to enhance the income of the farmers by enhancing production, processing and marketing. One of the major announcements at the festival was the setting up of a 150 crore guava processing plant in Sawai Madhopur so that there will be more domestic and international demand of guava and value added products, lessen reliance of farmers to travel far to seek markets, as well as, enhance the local agri-enterprise opportunities.

Key Announcements and Facts

- ₹150 crore guava processing plant announced at Sawai Madhopur.
- Rajasthan on average has 14000 hectares of guava orchards; 11000 hectares of guava orchards can be found in Sawai Madhopur.
- The annual income of the guava farmers in Rajasthan is reported to be approximately 600-700 crore of income and they are aimed at increasing it to 1500-1600 crore of income per year.
- Products made of guava like pickles, juice, pulp, sweets, and better cultivation and processing techniques were presented in the festival.

- The fair had approximately 250 booths of farmers, traders, agri-machinery, technology experts, entrepreneurs, and scientists to share, and advertise developmental practices.

Linkages between Governance and Development.

- Future development projects in Sawai Madhopur of ₹600 crore by the state government were also pointed out, including improvements on the availability of irrigation water.
- In a move to contain the damage of crops during the monsoon, a 110 crore channel was planned to take the Dam water of Surwal to the Banas River as a precaution in the rural areas.
- Agriculturalists were motivated to enjoy agriculture and livestock schemes, particularly crop insurance and Mangla Pashu Bima Yojana.

Association with PKC (Adjusted ERCP) and Irration Expansion.

- ERCP or the Modified PKC (ParvatiKalisindhChambal) Scheme was a scheme of discussion as one of the significant water projects.
- It is said to supply drinking water in 17 districts and expand the irrigation land by 4.03 lakh hectares and 15 percent water can also be supplied to industries.
- The irrigated hectares will increase to 1.60 lakh in Sawai Madhopur -Karauli.
- The Dungri Dam was termed as the biggest dam in the project; it will have 9 villages displaced with rehabilitation support that comprised of planned housing, electricity and water amenities.
- The scheme was stipulated to cost 90,000 crore.

Why This Matters for RAS Exam

- Reports the priority of value addition, agro-processing, and market linkage by the state to increase farmer income.
- Offers Rajasthan-specific information about the area of horticulture, concentration of the districts, and income targets.
- Combines agriculture with water security (Modified PKC/ERCP), growth of irrigation, and rural infrastructure planning.
- Highlights control the governance activities of risk mitigation (monsoon damage response, channel proposal) and scheme awareness.

MCQs (English)

MCQ 1: What was the main agro-processing announcement that was made at the Guava Festival and Agricultural Technology Fair 2026 in Sawai Madhopur?

a) a 110 crore canal to Banas River.

RASonly

b) a 150 crore guava processing plant in Sawai Madhopur.

c) A 600 crore dairy development initiative.

d) New export subsidy on farmers of guava.

Answer: b

Background: According to the event note, Agriculture and Horticulture Minister informed about the guava processing plant of 150 crores in Sawai Madhopur to facilitate value addition and income to the farmers.

MCQ 2: Based on the details of the event, what is the number of guava orchard in Sawai Madhopur district of the total guava orchard in the state of Rajasthan?

a) 7,000 hectares out of 14,000

b) 9,000 hectares out of 14,000

c) 11,000 hectares out of 14,000

d) 14,000 hectares out of 20,000

Answer: c

Explanation: According to the text, the concentration of guava orchards in the district is high since there are approximately 14,000 hectares in the state of Rajasthan and 11,000 hectares in Sawai Madhopur.

MCQ 3: With the scheme of Modified PKC (Parvati-Kalisindh- Chambal) that was discussed at the festival, what was the increase in irrigation area?

a) 1.60 lakh hectares

b) 2.50 lakh hectares

c) 4.03 lakh hectares

d) 6.00 lakh hectares

Answer: c

Explanation: It was stated that the scheme would provide 17 districts with drinking water besides increasing irrigation land by 4.03 lakh hectares and setting aside 15 percent of water as industries water.

RASonly

सवाई माधोपुर में अमरूद महोत्सव एवं कृषि तकनीकी मेला-2026 — प्रोसेसिंग प्लान्ट घोषणा।

दशहरा मैदान, सवाई माधोपुर में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने अमरूद महोत्सव एवं कृषि तकनीकी मेला-2026 का उद्घाटन किया। इसे भारत में पहली बार आयोजित अमरूद महोत्सव के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन को बेहतर बनाकर किसानों की आय बढ़ाना है। महोत्सव में प्रमुख घोषणा सवाई माधोपुर में ₹150 करोड़ की लागत से अमरूद प्रोसेसिंग प्लान्ट स्थापित करने की रही, जिससे अमरूद और उससे बने मूल्यवर्धित उत्पादों की घरेलू व अंतरराष्ट्रीय मांग बढ़ेगी, किसानों को बाजार के लिए दूर जाना कम पड़ेगा और स्थानीय एग्री-एंटरप्राइज के अवसर बढ़ेंगे।

प्रमुख घोषणाएं और तथ्य

- सवाई माधोपुर में ₹150 करोड़ का अमरूद प्रोसेसिंग प्लान्ट स्थापित करने की घोषणा।
- राजस्थान में कुल लगभग 14,000 हेक्टेयर अमरूद के बगीचे हैं; इनमें से लगभग 11,000 हेक्टेयर अकेले सवाई माधोपुर जिले में हैं।
- राजस्थान में अमरूद किसानों की वार्षिक आमदनी लगभग ₹600–₹700 करोड़ बताई गई है और लक्ष्य इसे ₹1,500–₹1,600 करोड़ प्रति वर्ष तक बढ़ाने का है।
- महोत्सव में अमरूद से बने उत्पाद जैसे अचार, जूस, पल्प, मिठाइयाँ, तथा बेहतर खेती और प्रसंस्करण की तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।
- मेले में लगभग 250 स्टॉल्स/बूथ्स लगाए गए, जिनमें किसान, व्यापारी, कृषि यंत्र, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी और वैज्ञानिक शामिल रहे ताकि अनुभव साझा हो और उन्नत कृषि पद्धतियों का प्रचार हो सके।

शासन और विकास से जुड़े पहलू

- राज्य सरकार द्वारा सवाई माधोपुर में ₹600 करोड़ के विकास कार्यों का संकेत दिया गया, जिसमें सिंचाई जल उपलब्धता में सुधार भी शामिल है।
- मानसून में फसलों के नुकसान से बचाव के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सुरवाल बांध के पानी को बनास नदी में छोड़ने हेतु ₹110 करोड़ की लागत से एक चैनल बनाने की योजना बताई गई।
- किसानों को कृषि एवं पशुपालन योजनाओं, विशेषकर फसल बीमा और मंगला पशु बीमा योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

संशोधित PKC (ERCP) और सिंचाई विस्तार से संबंध

- ERCP, जिसे संशोधित PKC (पार्वती–कालीसिंध–चम्बल) योजना कहा गया, को एक महत्वपूर्ण जल परियोजना के रूप में चर्चा में रखा गया।
- बताया गया कि यह योजना 17 जिलों में पेयजल उपलब्ध कराएगी, सिंचित क्षेत्र में 4.03 लाख हेक्टेयर की वृद्धि करेगी और 15% पानी उद्योगों के लिए भी उपलब्ध होगा।
- सवाई माधोपुर–करौली में सिंचित क्षेत्र बढ़कर 1.60 लाख हेक्टेयर होने का उल्लेख किया गया।

RASonly

- डूंगरी बांध को परियोजना का सबसे बड़ा बांध बताया गया; इससे 9 गांव विस्थापित होंगे और पुनर्वास में नियोजित आवास, बिजली तथा पानी जैसी सुविधाओं का समर्थन शामिल होगा।
- योजना की लागत ₹90,000 करोड़ बताई गई।

RAS परीक्षा के लिए महत्व

- किसानों की आय बढ़ाने हेतु मूल्य संवर्धन, एग्रो-प्रोसेसिंग और बाजार-लिंकेज पर राज्य की प्राथमिकता को दर्शाता है।
- राजस्थान-विशेष तथ्य देता है, जैसे उद्यानिकी क्षेत्रफल, जिले में बागानों का संकेंद्रण और आय-वृद्धि लक्ष्य।
- कृषि को जल-सुरक्षा (संशोधित PKC/ERCP), सिंचाई विस्तार और ग्रामीण अवसंरचना योजना से जोड़ता है।
- जोखिम न्यूनीकरण (मानसून नुकसान के संदर्भ में चैनल प्रस्ताव) और योजनाओं के प्रति जागरूकता जैसे शासनगत पहलुओं को उजागर करता है।

MCQs (केवल हिन्दी)

MCQ 1
सवाई माधोपुर में अमरूद महोत्सव एवं कृषि तकनीकी मेला-2026 के दौरान मुख्य एग्रो-प्रोसेसिंग घोषणा क्या थी?
a) बनास नदी तक ₹110 करोड़ की नहर/चैनल
b) सवाई माधोपुर में ₹150 करोड़ का अमरूद प्रोसेसिंग प्लान्ट
c) ₹600 करोड़ की डेयरी विकास पहल
d) अमरूद किसानों के लिए नई निर्यात सब्सिडी
उत्तर: b
व्याख्या: आयोजन विवरण के अनुसार कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री ने सवाई माधोपुर में ₹150 करोड़ की लागत से अमरूद प्रोसेसिंग प्लान्ट स्थापित करने की घोषणा की, ताकि मूल्य संवर्धन हो और किसानों की आय बढ़े।

MCQ 2
आयोजन विवरण के अनुसार राजस्थान के कुल अमरूद बागानों में से सवाई माधोपुर जिले में कितना क्षेत्र बताया गया?
a) 14,000 में से 7,000 हेक्टेयर
b) 14,000 में से 9,000 हेक्टेयर
c) 14,000 में से 11,000 हेक्टेयर
d) 20,000 में से 14,000 हेक्टेयर
उत्तर: c
व्याख्या: पाठ के अनुसार राजस्थान में कुल लगभग 14,000 हेक्टेयर अमरूद के बागान हैं और उनमें से लगभग 11,000 हेक्टेयर अकेले सवाई माधोपुर जिले में हैं, जिससे जिले में उच्च संकेंद्रण स्पष्ट होता है।

RASonly

MCQ 3

महोत्सव में चर्चा की गई संशोधित PKC (पार्वती–कालीसिंध–चम्बल) योजना के तहत सिंचित क्षेत्र में कितनी वृद्धि बताई गई?

a) 1.60 लाख हेक्टेयर

b) 2.50 लाख हेक्टेयर

c) 4.03 लाख हेक्टेयर

d) 6.00 लाख हेक्टेयर

उत्तर: c

व्याख्या: विवरण में कहा गया कि यह योजना 17 जिलों में पेयजल उपलब्ध कराने के साथ सिंचित क्षेत्र में 4.03 लाख हेक्टेयर की वृद्धि करेगी और 15% पानी उद्योगों के लिए भी उपलब्ध होगा।Two-Day Forest Fair at Sajjangarh, Udaipur ; Promotion of Forest Products and Rural Livelihoods.

In a bid to promote products based on forests and enhance the livelihoods of rural people, the Rajasthan Forest Department organized a two-day Forest Fair at Sajjangarh, Udaipur. Tribal Area Development (TAD) Minister Babulal Kharadi cut a ribbon to open the fair. The manufacturers of the Udaipur district and beyond are also attending and there is a show of forest products that has been established. The minister went to every stall to check their product quality, marketing and potential of livelihood. In his speech, he stressed the need to move back to the natural lifestyle and increase the use of traditional knowledge based on the forests and this entails the balanced utilisation of the natural resources so as to have environmental security.

Key Highlights

- Venue: Sajjangarh, Udaipur

- Educator: Rajasthan Forest Department.
- Duration: Two days
- Inauguration: Minister of TAD Babulal Kharadi. cuts a ribbon.
- Participation: The producers of the district and the surrounding areas.
- Thematic center: Forest-based products and its value and market potential.

Statements and Themes Brought up by Leaders.

TAD Minister Babulal Kharadi

- It concerns the fact that stressed that previous communities used the forest based medicine to live long, but use of chemical based medical practices has been on the rise.
- The government will promote the society to revert back to the Vedic and natural way of life.
- Prominence of twofold positive impacts of forest produce livelihood sustenance and health positive effects.
- Referred to the contribution of agencies such as TRIFED in generating livelihood in the rural setting.
- Striking balance to extract the natural resources to ensure the future and ensure the balance of the environment.

MP of the Rajya Sabha Chunni Lal Garasia.

- Highlighted area of value addition with the use of forest produce with the mahua and honey as prime examples.
- Requested broader publicity of such fairs in order to have more people benefit.
- It was observed that forests are likely to be preserved where the communities of forest dwellers are present.
- Emphasized the significance of the Forest Department in the conservation of Aravallis and that the present problems in and around the Aravallis were of concern that required serious consideration.

Lok Sabha Member of Parliament Dr. Mannalal Rawat.

- Said rural communities are aware of the significance of forests.
- Recommended the need to adopt best practices in other nations.
- Illustrated bamboo as a powerful means of livelihood with which more attention should be paid.

Why This Matters for RAS Exam

- Associates forestry with the production of rural livelihoods, tribal development and value addition of minor forest produce.

RASonly

- Features the role of TRIFED as an institution in sustaining the rural and forest-based livelihoods.
- Creates awareness on Aravalli conservation and sustainable use of resources.
- Demonstrates the method of governance based on the community-based conservation and market linkage events.

Conclusion

The two-day Forest Fair at Sajjangarh, Udaipur showcases how forest-based products can strengthen rural and tribal livelihoods through value addition and better marketing. It also reinforces sustainable resource use, traditional knowledge, and institutions like TRIFED, while highlighting concerns around Aravalli conservation.

MCQs (English)

MCQ 1: The Forest Fair of the news was opened on the 2nd of the following month at:

a) Mount Abu, Sirohi

b) Sajjangarh, Udaipur

c) Nahargarh, Jaipur

d) Ranthambore, Sawai Madhopur.

Answer: b

Explanation: The news writes that a two-day Forest Fair has been inaugurated by the Forest Department in Udaipur and it is in Sajjangarh.

MCQ 2: Who was the minister who opened the Forest Fair, tearing the ribbon?

a) Minister of Agriculture and Horticulture Dr. Kirodi Lal Meena.

b) Minister of TAD Babulal Kharadi.

3) UDH Minister Jhabar Singh Kharra.

d) Minister of industries colonel Rathore Rajyavardhan.

Answer: b

The fair was launched by the fair minister Babulal Kharadi, Tribal Area Development (TAD) minister, who opened it by cutting a ribbon.

RASonly

MCQ 3: The news explains that the forest produce items have been pointed out as some of the most important to be integrated in the form of value added products, which forest produce items did the Rajya Sabha MP represent?

a) Bamboo and tendu leaves

b) Mahua and honey

c) Guava and onion

d) Wheat and mustard

Answer: b

Explanation: MP of Rajya Sabha Chunni Lal Garasia specifically cited mahua and honey to illustrate that these are the prime examples of forest produce which can be used to produce value-added products.

सज्जनगढ़, उदयपुर में दो दिवसीय वन मेला — वन उत्पादों एवं ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा।

वन आधारित उत्पादों को प्रोत्साहन देने और ग्रामीण लोगों की आजीविका को सशक्त बनाने के उद्देश्य से राजस्थान वन विभाग ने उदयपुर के सज्जनगढ़ में दो दिवसीय वन मेले का आयोजन किया। जनजाति क्षेत्रीय विकास (TAD) मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया। इसमें उदयपुर जिले तथा आसपास के क्षेत्रों के उत्पादक भाग ले रहे हैं और वन उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई है। मंत्री ने प्रत्येक स्टॉल का निरीक्षण कर उत्पादों की गुणवत्ता, विपणन और आजीविका की संभावनाओं का आकलन किया। अपने संबोधन में उन्होंने प्राकृतिक जीवन पद्धति की ओर लौटने, वन आधारित पारंपरिक ज्ञान के अधिक उपयोग और पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रमुख बिंदु

- स्थान: सज्जनगढ़, उदयपुर
- आयोजक: राजस्थान वन विभाग
- अवधि: दो दिन
- उद्घाटन: TAD मंत्री बाबूलाल खराड़ी द्वारा फीता काटकर
- सहभागिता: जिले एवं आसपास के क्षेत्रों के उत्पादक
- मुख्य विषय: वन आधारित उत्पाद, उनका मूल्य संवर्धन और बाजार संभावनाएं

RASonly

नेताओं के वक्तव्य और प्रमुख विषय

TAD मंत्री बाबूलाल खराड़ी

- उन्होंने कहा कि पहले समुदाय दीर्घायु जीवन के लिए वन औषधियों का उपयोग करते थे, लेकिन अब केमिकल आधारित चिकित्सा पद्धतियों पर निर्भरता बढ़ गई है।
- उन्होंने कहा कि सरकार समाज को वेदों और प्राकृतिक जीवन पद्धति की ओर लौटने के लिए प्रेरित करना चाहती है।
- उन्होंने वन उपज के दोहरे लाभ बताए—एक ओर आजीविका का साधन, दूसरी ओर स्वास्थ्य लाभ।
- उन्होंने ग्रामीण आजीविका सृजन में TRIFED जैसी संस्थाओं की भूमिका का उल्लेख किया।
- उन्होंने भविष्य सुरक्षित रखने और पर्यावरण संतुलन के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित दोहन पर बल दिया।

राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया

- उन्होंने वन उपज के मूल्य संवर्धन की संभावनाओं पर जोर देते हुए महुआ और शहद को प्रमुख उदाहरण बताया।
- उन्होंने ऐसे आयोजनों के व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता बताई ताकि अधिक लोग लाभान्वित हों।
- उन्होंने कहा कि जहाँ वनवासी समुदाय होते हैं, वहाँ वन सुरक्षित रहने की संभावना अधिक होती है।
- उन्होंने अरावली संरक्षण में वन विभाग की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अरावली से जुड़े वर्तमान मुद्दे चिंताजनक हैं, जिन पर गंभीर विचार आवश्यक है।

लोकसभा सांसद डॉ. मन्नालाल रावत

- उन्होंने कहा कि ग्रामीण समुदाय वनों के महत्व को अच्छी तरह समझते हैं।
- उन्होंने अन्य देशों की अच्छी प्रथाओं (बेस्ट प्रैक्टिसेस) को अपनाने की आवश्यकता बताई।
- उन्होंने बांस को आजीविका का सशक्त माध्यम बताते हुए इस पर अधिक कार्य करने की बात कही।

RAS परीक्षा के लिए महत्व

- वानिकी को ग्रामीण आजीविका, जनजातीय विकास और लघु वन उपज के मूल्य संवर्धन से जोड़ता है।
- ग्रामीण और वन आधारित आजीविका में TRIFED की भूमिका को रेखांकित करता है।
- अरावली संरक्षण तथा संसाधनों के सतत उपयोग पर जागरूकता बढ़ाता है।
- समुदाय आधारित संरक्षण और बाजार-लिंकेज जैसे शासन मॉडल को प्रदर्शित करता है।

RASonly

निष्कर्ष

सज्जनगढ़, उदयपुर में आयोजित दो दिवसीय वन मेला यह दर्शाता है कि वन आधारित उत्पाद मूल्य संवर्धन और बेहतर विपणन के माध्यम से ग्रामीण एवं जनजातीय आजीविका को सुदृढ़ कर सकते हैं। यह सतत संसाधन उपयोग, पारंपरिक ज्ञान और TRIFED जैसी संस्थाओं की भूमिका को भी रेखांकित करता है तथा अरावली संरक्षण से जुड़ी चिंताओं को उजागर करता है।

MCQs (केवल हिन्दी)

MCQ 1

समाचार के अनुसार दो दिवसीय वन मेला कहाँ आयोजित किया गया?
a) माउंट आबू, सिरोही
b) सज्जनगढ़, उदयपुर
c) नाहरगढ़, जयपुर
d) रणथम्भौर, सवाई माधोपुर
उत्तर: b
व्याख्या: समाचार में बताया गया है कि राजस्थान वन विभाग ने उदयपुर के सज्जनगढ़ में दो दिवसीय वन मेला आयोजित किया।

MCQ 2

वन मेले का उद्घाटन फीता काटकर किस मंत्री ने किया?
a) कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा
b) TAD मंत्री बाबूलाल खराड़ी
c) UDH मंत्री झाबर सिंह खर्रा
d) उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़
उत्तर: b
व्याख्या: मेले का उद्घाटन जनजाति क्षेत्रीय विकास (TAD) मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने फीता काटकर किया।

MCQ 3

राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने मूल्य संवर्धित उत्पादों के लिए किन वन उपज वस्तुओं को प्रमुख उदाहरण बताया?
a) बांस और तेंदू पत्ते
b) महुआ और शहद
c) अमरूद और प्याज
d) गेहूँ और सरसों
उत्तर: b
व्याख्या: समाचार में राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने महुआ और शहद को मूल्य संवर्धित उत्पादों के लिए प्रमुख उदाहरण के रूप में विशेष रूप से बताया।

RASonly

Melody of Colours one-man watercolour exhibition in Jaipur at Jawahar Kala Kendra.

On 17 January 2026, the three-day solo exhibition with a title Melody of Colors was inaugurated by Rajasthan Deputy Chief Minister and Minister of Tourism, Art and Culture Diya Kumari at the Alankar Art Gallery, Jawahar Kala Kendra (JKK), Jaipur. The show has watercolour paintings of an eminent artist Dr. Sushma Mahajan. Having looked at and scrutinised the paintings on display, Diya Kumari had referred to the pieces as exceptional and that the emotions portrayed using watercolours are beyond minds. The exhibition lasts until 19 January and is open to art admirers during the days of 11:00 AM to 7:30 PM and presents approximately 60 watercolour paintings, including 22 of the new works designed specifically in this exhibition, and some of the works, which had already been shown in Paris and Jaipur and New Delhi.

Key Facts

- Location: John Batman Gallery, London.
- Name of the artist: Dr. Sushma Mahajan (watercolour artist)
- Inaugurated on: 24 th March, 2008
- Time:11.50 pm to 1.30 pm.
- Dates: 17–19 January 2026
- Timings: 11:00 AM to 7:30 PM
- Exhibits: Approximately 60 watercolour paintings.

- New works 22 produced especially in the exhibition.
- Previously exhibited (selected works) places included: Paris, Jaipur, New Delhi.

Significance for RAS Exam

- Highlights state emphasis on art and cultural advancement by the means of social cultural organizations such as Jawahar Kala Kendra.
- Demonstrates the role of cultural events in promoting tourism and cultural identity that is connected to governance in arts funding and cultural outreach.
- Evidences the contribution of state leadership towards promoting the cultural participation and presenting the artistic image of Rajasthan nationally and globally.

Conclusion

The “Melody of Colors” exhibition at Jawahar Kala Kendra, Jaipur highlights Rajasthan’s active role in promoting visual arts through public cultural institutions and leadership participation. By showcasing around 60 watercolour works, including 22 newly created pieces, the event strengthens cultural outreach, supports artistic talent, and contributes to the state’s cultural identity and tourism appeal. Such exhibitions also reflect how art platforms can connect local creativity with wider national and international visibility, reinforcing Rajasthan’s image as a vibrant centre of culture.

MCQs (English)

MCQ 1: In what place was the first exhibition of the Melody of Colors?

a) Rajasthan International Centre, Jaipur.

b) Alankar Art Gallery, Jawahar Kala Kendra, Jaipur.

c) City Palace Museum, Udaipur

d) Ravindra Manch, Jaipur

Answer: b

Explanation: According to the news, the exhibition will be opened under the Alankar Art Gallery in the Jawahar Kala Kendra (JKK), Jaipur.

MCQ 2: The number of total watercolour artworks presented in the exhibition based on the news is question?

a) About 40

RASonly

b) About 50

c) About 60

d) About 80

Answer: c

Elucidation: It is explained that the exhibition showcases approximately 60 watercolour paintings by Dr. Sushma Mahajan.

MCQ 3:What was the duration and the dates that visitors were allowed to view the exhibition according to the announcement?

a) One day, 17 January only

b) Three days, up to 19 January

c) Five days, up to 21 January

d) One week, up to 24 January

Answer: b

Description: The exhibition is called a three day show, which is in exhibition until 19 January, after it was inaugurated on 17 January.

जयपुर में जवाहर कला केंद्र में “मेलोडी ऑफ कलर्स” एकल जलरंग प्रदर्शनी।

17 जनवरी 2026 को राजस्थान की उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने जयपुर स्थित जवाहर कला केंद्र (JKK) की अलंकार आर्ट गैलरी में “मेलोडी ऑफ कलर्स” शीर्षक वाली तीन दिवसीय एकल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी सुप्रसिद्ध जलरंग कलाकार डॉ. सुषमा महाजन की जलरंग कृतियों पर आधारित है। प्रदर्शित चित्रों का बारीकी से अवलोकन करने के बाद दिया कुमारी ने इन कृतियों को उत्कृष्ट बताते हुए कहा कि जलरंगों के माध्यम से व्यक्त संवेदनाएँ कल्पना से परे हैं। यह प्रदर्शनी 19 जनवरी तक चलेगी और कला प्रेमी इसे प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से शाम 7:30 बजे तक देख सकेंगे। प्रदर्शनी में लगभग 60 जलरंग कृतियाँ शामिल हैं, जिनमें 22 नई कृतियाँ विशेष रूप से इसी प्रदर्शनी के लिए तैयार की गई हैं और कुछ चुनिंदा कृतियाँ पहले पेरिस, जयपुर और नई दिल्ली में प्रदर्शित हो चुकी हैं।

प्रमुख तथ्य

- स्थान: अलंकार आर्ट गैलरी, जवाहर कला केंद्र (JKK), जयपुर
- कलाकार का नाम: डॉ. सुषमा महाजन (जलरंग कलाकार)
- उद्घाटन: 17 जनवरी 2026
- तिथियाँ: 17–19 जनवरी 2026
- समय: प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से शाम 7:30 बजे तक

RASonly

- प्रदर्शित कृतियाँ: लगभग 60 जलरंग चित्र
- नई कृतियाँ: 22, जो विशेष रूप से इस प्रदर्शनी के लिए तैयार की गईं
- पहले प्रदर्शित (चुनिंदा कृतियाँ): पेरिस, जयपुर, नई दिल्ली

RAS परीक्षा के लिए महत्व

- जवाहर कला केंद्र जैसे सार्वजनिक सांस्कृतिक संस्थानों के माध्यम से राज्य द्वारा कला एवं संस्कृति के संवर्धन पर जोर को दर्शाता है।
- सांस्कृतिक आयोजनों की पर्यटन संवर्धन और सांस्कृतिक पहचान निर्माण में भूमिका को स्पष्ट करता है, जो कला-वित्तपोषण और सांस्कृतिक आउटरीच से जुड़े शासन पक्ष से भी जुड़ता है।
- राज्य नेतृत्व की भूमिका को दर्शाता है जो सांस्कृतिक सहभागिता को बढ़ावा देकर राजस्थान की कला-छवि को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करती है।

निष्कर्ष

जवाहर कला केंद्र, जयपुर में आयोजित "मेलोडी ऑफ कलर्स" प्रदर्शनी यह दर्शाती है कि राजस्थान सार्वजनिक सांस्कृतिक संस्थानों और नेतृत्व की सक्रिय सहभागिता के माध्यम से दृश्य कला को बढ़ावा दे रहा है। लगभग 60 जलरंग कृतियों, जिनमें 22 नई विशेष रूप से तैयार रचनाएँ शामिल हैं, के प्रदर्शन से यह आयोजन सांस्कृतिक आउटरीच को मजबूत करता है, कलाकारों की प्रतिभा को समर्थन देता है और राज्य की सांस्कृतिक पहचान तथा पर्यटन आकर्षण को बढ़ाता है। ऐसी प्रदर्शनियाँ स्थानीय सृजनशीलता को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की व्यापक पहचान से जोड़कर राजस्थान की संस्कृति को जीवंत और प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत करती हैं।

MCQs (हिन्दी)

MCQ 1
"मेलोडी ऑफ कलर्स" प्रदर्शनी का उद्घाटन किस स्थान पर हुआ?
a) राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर
b) अलंकार आर्ट गैलरी, जवाहर कला केंद्र, जयपुर
c) सिटी पैलेस म्यूज़ियम, उदयपुर
d) रविंद्र मंच, जयपुर
उत्तर: b
व्याख्या: समाचार के अनुसार "मेलोडी ऑफ कलर्स" प्रदर्शनी का उद्घाटन जवाहर कला केंद्र (JKK), जयपुर की अलंकार आर्ट गैलरी में किया गया।

MCQ 2
समाचार के अनुसार प्रदर्शनी में कुल लगभग कितनी जलरंग कृतियाँ प्रदर्शित की गईं?
a) लगभग 40
b) लगभग 50

RASonly

c) लगभग 60
d) लगभग 80
उत्तर: c
व्याख्या: विवरण में बताया गया है कि प्रदर्शनी में डॉ. सुषमा महाजन की लगभग 60 जलरंग कृतियाँ प्रदर्शित की गईं।

MCQ 3
घोषणा के अनुसार प्रदर्शनी की अवधि और दर्शकों के लिए देखने की अंतिम तिथि क्या थी?
a) एक दिन, केवल 17 जनवरी
b) तीन दिन, 19 जनवरी तक
c) पाँच दिन, 21 जनवरी तक
d) एक सप्ताह, 24 जनवरी तक
उत्तर: b
व्याख्या: प्रदर्शनी को तीन दिवसीय बताया गया है, जिसका उद्घाटन 17 जनवरी को हुआ और यह 19 जनवरी तक देखने के लिए उपलब्ध थी।

RASonly

Commonwealth Parliamentary Delegation Jaipur Visit following 28th CSPOC Cultural Programme and Dinner.

A parliamentary delegation of the Commonwealth paid a two-day visit to Jaipur as part of the post-conference tour of speakers and presiding officers of Commonwealth (CSPOC) which was being hosted in India. They were honored by a special cultural

programme and dinner in the Constitution Club on 17 January 2026. Lok Sabha Speaker Om Birla emphasized on the tradition of India of Atithi Devo Bhavah and talked about the land of valour and bravery of Rajasthan based on the uncompromising self-respect of Maharana Pratap. Speaker of the Rajasthan Assembly Vasudev Devnani said it was a matter of pride to the state to host the delegation. Governor Haribhau Bagde and Chief Minister Bhajanlal Sharma among other dignitaries were present at the event.

Key Details

- Context: Post-conference tour following the 28 th CSPOC held in India.
- Place: Constitution Club, Jaipur.
- Venue: Cultured evening and dinner in his honour.
- Date: 17 January 2026
- Delegation: Speakers/Presiding Officers and leaders of parliament in Commonwealth legislatures.
- Jaipur length of stay: Two days.

Cultural Exhibition during the Event.

The cultural diversity in Rajasthan was presented in the programme as:

- Langaa–Manganiyar singing
- Folk dances
- Chang–Dhaap dance
- Kathak
- Ghoomar
- Bhavai

Statements by Key Leaders

Lok Sabha Speaker Om Birla

- The 28th CSPOC, which was held in India, indicates the spirit of Atithi Devo Bhavah.
- Highlighted the diversity of India, geography, languages, food and rich cultural-historical heritage.
- Gave prominence to the characteristics of Highlighted Rajasthan that include deserts, grand palaces, rivers and stepwells.
- Maharana Pratap was quoted as an example of undying self-respect in struggle.
- Valued the attendance of the Governor and congratulated the state government on hosting the event.

RASonly

Vasudev Devnani is a Rajasthan Assembly Speaker.

- Raised as the hosting occasion as a point of pride to Rajasthan.
- The international dialogue and interaction among countries, provided by Said, make countries culturally closer and enhance the goodwill.
- Things to be mentioned about Rajasthan mix of courage, hospitality, tradition, and resilience, and the desire to develop and take care of people despite the difficult circumstances.
- Welcomed the guests in the spirit of Padharo Mhare Des.

Why This Matters for RAS Exam

- Displays parliamentary diplomacy as a means of international interaction and soft power.
- Indicates the importance of Rajasthan in hosting some of the most international delegations, which correlates culture with diplomacy.
- The sources will prove useful in regard to questions on cultural diplomacy, constitutional institutions and state-level governance support of international events in India.

Conclusion

The visit of the Commonwealth parliamentary delegation to Jaipur following the 28 th CSPOC indicates the way the parliamentary diplomacy is enhanced with the help of the cultural interaction and hospitality of the state. The programme presented the ethos of India which is Atithi Devo Bhavah by hosting the delegates at the Constitution Club and a showcasing with the folk and classical traditions of Rajasthan, and, in a sense, the image of the state and the heritage, valour and living culture. These interactions enhance the understanding between the legislatures, create good will, and solidify the role of Rajasthan in aiding the national-level international outreach using culture and governance.

MCQs (English)

MCQ 1: The Commonwealth parliamentary delegation was hosted by the cultural programme and dinner in Jaipur which was held at:

a) Jawahar Kala Kendra, Jaipur

b) Constitution Club, Jaipur

c) City Palace, Jaipur

d) Albert Hall Museum, Jaipur

Answer: b

RASonly

Explanation: The news says that the delegation was given cultural programme and dinner at the Constitution Club in Jaipur.

MCQ 2 : What was the next event of the tour that the delegation toured Jaipur?

a) Rajasthan Investment Summit.

b) 28 th conference of speakers and presiding officers of commonwealth (CSPOC).

c) BRICS Parliamentary Forum

d) G20 Cultural Ministers' Meet

Answer: b

Explanation: The text elucidates that, following the 28th CSPOC that was held in India, the delegation visited Jaipur in the post-conference tour programme.

MCQ 3: What particular performances were specifically cited as belonging to the cultural showcase?

a) Bharatnatyam

b) Odissi

c) Ghoomar

d) Kuchipudi

Answer: c

Reasoning: The cultural programme had various forms and Ghoomar was specifically mentioned in the performances.

28वें CSPOC के बाद राष्ट्रमंडल संसदीय प्रतिनिधिमंडल का जयपुर प्रवास — कांस्टीट्यूशन क्लब में सांस्कृतिक कार्यक्रम व रात्रिभोज।

राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (CSPOC), जो भारत में आयोजित हो रहा था, के बाद भ्रमण कार्यक्रम के तहत राष्ट्रमंडल का संसदीय प्रतिनिधिमंडल जयपुर दो दिवसीय प्रवास पर आया। 17 जनवरी 2026 को कांस्टीट्यूशन क्लब में प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रात्रिभोज आयोजित किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत की "अतिथि देवो भवः" परंपरा पर जोर दिया और राजस्थान को शौर्य-वीरता की भूमि बताते हुए महाराणा प्रताप के आत्मसम्मान का उदाहरण दिया। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इसे राज्य के लिए गर्व का विषय बताया। कार्यक्रम में

RASonly

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रमुख विवरण

- संदर्भ: भारत में आयोजित 28वें CSPOC के बाद पोस्ट-कॉन्फ्रेंस भ्रमण कार्यक्रम
- स्थान: कांस्टीट्यूशन क्लब, जयपुर
- आयोजन: प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में सांस्कृतिक संध्या एवं रात्रिभोज
- तिथि: 17 जनवरी 2026
- प्रतिनिधिमंडल: राष्ट्रमंडल देशों की विधायिकाओं के स्पीकर/पीठासीन अधिकारी एवं वरिष्ठ संसदीय अधिकारी
- जयपुर प्रवास अवधि: दो दिन

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता को निम्न प्रस्तुतियों के माध्यम से मंच पर दर्शाया गया:

- लंगा–मंगणियार गायन
- लोक नृत्य
- चंग–धाप नृत्य
- कथक
- घूमर
- भवई

प्रमुख नेताओं के वक्तव्य

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

- कहा कि भारत में आयोजित 28वां CSPOC भारत की “अतिथि देवो भवः” परंपरा के भाव को दर्शाता है।
- भारत की विविधता—भूगोल, भाषाएँ, खानपान और समृद्ध सांस्कृतिक-ऐतिहासिक विरासत—को रेखांकित किया।
- राजस्थान की विशेषताओं जैसे विशाल रेगिस्तान, भव्य महल, नदियाँ और बावड़ियों का उल्लेख किया।
- महाराणा प्रताप को संघर्ष के बीच भी अटूट आत्मसम्मान का उदाहरण बताया।
- राज्यपाल की उपस्थिति की सराहना की और आयोजन हेतु राज्य सरकार को धन्यवाद दिया।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी

- प्रतिनिधिमंडल के आतिथ्य को राजस्थान के लिए गर्व का विषय बताया।

RASonly

- कहा कि अंतरराष्ट्रीय संवाद और पारस्परिक मिलन से देश सांस्कृतिक रूप से निकट आते हैं और सद्भाव बढ़ता है।
- राजस्थान के शौर्य, आतिथ्य, परंपरा और जीवटता के अनूठे संगम तथा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद विकास व जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का उल्लेख किया।
- "पधारो म्हारे देश" की भावना के साथ अतिथियों का स्वागत किया।

RAS परीक्षा के लिए महत्व

- संसदीय कूटनीति को अंतरराष्ट्रीय संवाद और सॉफ्ट पावर के प्रभावी माध्यम के रूप में दर्शाता है।
- राजस्थान की भूमिका को उजागर करता है, जहाँ संस्कृति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत कर "कल्चर + डिप्लोमेसी" का संयोजन दिखता है।
- सांस्कृतिक कूटनीति, संवैधानिक संस्थान (लोकसभा/विधानसभा अध्यक्ष) और राज्य स्तर पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के समर्थन से जुड़े प्रश्नों के लिए उपयोगी।

निष्कर्ष

28वें CSPOC के बाद जयपुर आया राष्ट्रमंडल संसदीय प्रतिनिधिमंडल यह दर्शाता है कि सांस्कृतिक सहभागिता और राज्य-स्तरीय आतिथ्य के माध्यम से संसदीय कूटनीति को कैसे मजबूती मिलती है। कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित कार्यक्रम ने "अतिथि देवो भवः" की भारतीय परंपरा के साथ राजस्थान की जीवंत लोक-परंपराओं और शौर्य-परंपरा को मंच पर प्रस्तुत किया। ऐसे अवसर विधायिकाओं के बीच परस्पर समझ बढ़ाते हैं, सद्भाव विकसित करते हैं और राष्ट्रीय स्तर की अंतरराष्ट्रीय पहुँच को राज्य की संस्कृति व शासन-समर्थन के जरिए और सुदृढ़ करते हैं।

MCQs (केवल हिन्दी)

MCQ 1
जयपुर में राष्ट्रमंडल संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रिभोज कहाँ आयोजित किया गया?
a) जवाहर कला केंद्र, जयपुर
b) कांस्टीट्यूशन क्लब, जयपुर
c) सिटी पैलेस, जयपुर
d) अल्बर्ट हॉल म्यूज़ियम, जयपुर
उत्तर: b
व्याख्या: विवरण के अनुसार प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रिभोज कांस्टीट्यूशन क्लब, जयपुर में आयोजित किया गया।

MCQ 2
प्रतिनिधिमंडल का जयपुर प्रवास किस आयोजन के बाद पोस्ट-कॉन्फ्रेंस भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत हुआ?
a) राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट
b) राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों का 28वां सम्मेलन (CSPOC)

RASonly

c) ब्रिक्स संसदीय मंच
d) G20 सांस्कृतिक मंत्रियों की बैठक
उत्तर: b
व्याख्या: पाठ में स्पष्ट है कि भारत में आयोजित 28वें CSPOC में शामिल होने के बाद प्रतिनिधिमंडल पोस्ट-कॉन्फ्रेंस भ्रमण कार्यक्रम के तहत जयपुर आया।

MCQ 3
निम्न में से कौन-सी प्रस्तुति कार्यक्रम की सांस्कृतिक झलक में विशेष रूप से उल्लेखित थी?
a) भरतनाट्यम
b) ओडिसी
c) घूमर
d) कुचिपुड़ी
उत्तर: c
व्याख्या: सांस्कृतिक कार्यक्रम में कई प्रस्तुतियाँ थीं और विवरण में घूमर नृत्य का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है।

RASonly

RASonly